B.A. (Three Years Degree Program)	
Third Semester	
Subject-Hindi	
Code of the Course	**HIN6002T**
Title of the Course	आधुनिक काव्य
Qualification Level of the Course	**NHEQF Level 5**
Credit of the course	**6**
Type of the course	**Discipline Centric Core (DCC) Course in Hindi**
Delivery type of the Course	**90 Hours. 60 Lectures for content delivery and 15 hours for Tutorials, class activity, case study and 15 hours for formative and Diagnostic Assessment.**
Prerequisites	**Intermediate Level**
Co-requisites	**None**
Objectives of the course	• आधुनिककालीन कवियों द्वारा रचित कविताओं के अध्ययन से विद्यार्थियों में आधुनिक काव्य को समझने की समझ विकसित करना। • विद्यार्थियों में आधुनिक काव्य में वर्णित सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना की समझ विकसित करना। • आधुनिक काव्य में वर्णित मूल्य चेतना और सरोकारों का ज्ञान करना। • सामाजिक एकता अखंडता तथा नैतिक मूल्यों के विकास में आधुनिक काव्य की भूमिका का ज्ञान कराना। • आधुनिक काव्य के विषयों और जनपक्षधरता पर चिंतन।
Learning outcomes	• आधुनिक काव्य के अध्ययन के माध्यम से एक विशेष चिंतन दृष्टि को विकसित हो सकेगी।

	• हिंदी साहित्यकारों एवं साहित्येतिहास के जीवन से प्रेरणा ग्रहण कर सकेंगे। • आधुनिक काव्य में वर्णित संवेदना, रचनात्मकता एवं सौंदर्य चेतना से परिचित हो सकेंगे। • आधुनिक काव्य के सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों में विवेचन–विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
Syllabus	
UNIT-I	• अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : प्रियप्रवास सर्ग 16 से संकलित अंश (श्याम संदेश और राधा संदेश– पद संख्या 36 से 60 तक 'अतीव हो .....रूपादि द्वारा' तक) • मैथिलीशरण गुप्त : 'साकेत' के अष्टम सर्ग से संकलित अंश (कैकेयी का पश्चाताप– यह सच है तो ..... आज ये भ्राता तक) रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**
UNIT -II	• जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित कविताएँ : पेशोला की प्रतिध्वनि, बीती विभावरी, कामायनी का श्रद्धा सर्ग ("तपस्वी! क्यों इतने हो ...से..... विजयिनी मानवता हो जाय" तक)। • सुमित्रानंदन पंत द्वारा रचित कविताएँ : पर्वत प्रदेश में पावस, ग्राम श्री, ताज, द्रुत झरो। रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**

UNIT-III	• सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की कविताएँ : संध्या सुंदरी, तोड़ती पत्थर, स्नेह निर्झर, राम की शक्तिपूजा का अंश (हे अमानिशा ; उगलता .....से .....धिक्–धिक् तक)। • महादेवी वर्मा की कविताएँ : जीवन विरह का जलजात, मैं नीर भरी दुख की बदली, यह मंदिर का दीप। रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**
UNIT-IV	• रामधारी सिंह दिनकर की कविताएँ : रश्मिरथी सर्ग 3 से कृष्ण की चेतावनी, अनल किरीट, कुरुक्षेत्र के तृतीय से संकलित अंश (समर निंद्य.. से ....सिर तक उठता बल है) तक। • अज्ञेय की कविताएँ : बावरा अहेरी, नदी के दीप, सांप, कलगी बाजरे की। रचनाकारों का व्यक्तित्व–कृतित्व, संकलित अंश से व्याख्या एवं विषय संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न। **(18 Hours)**
UNIT-V	• हिंदी साहित्य के इतिहास से आधुनिक हिंदी कविता के सोपान : भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता की प्रवृत्तियाँ और कवि परिचय। • छंद ज्ञान : दोहा, चौपाई, सोरठा, रोला, उल्लाला, गीतिका, हरिगीतिका, कवित्त, सवैया, छप्पय, कुण्डलिया, मंदाक्रांता, वसंत तिलका, वंशस्थ, द्रुतविलंबित के लक्षण और उदाहरण। • अलंकार ज्ञान : अनुप्रास, यमक, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान, संदेह, दृष्टांत, उदाहरण,

	अर्थान्तरन्यास, तद्गुण, मीलित, ब्याज–स्तुति के लक्षण और उदाहरण। **(18 Hours)**
सहायक ग्रंथ **Reference Books**	1. नगेन्द्र : हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा। 2. रामचन्द्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी। 3. डॉ. बच्चन सिंह : आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 4. डॉ. नामवर सिंह : आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 5. डॉ. नवीन नंदवाना : काव्यांग प्रभा, मलिक बुक कंपनी, जयपुर। 6. डॉ. आशीष सिसोदिया एवं डॉ. शिखा पालीवाल : आधुनिक काव्य किरण, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर।
Suggested E-resources	• https://epgp.inflibnet.ac.in/ • https://hindisamay.com/ • https://hi.wikipedia.org/ • https://swayam.gov.in/